सीखने के लिए बातचीत: प्राथमिक भाषा और साक्षरता

हिन्दी
कमेंट्री: इस प्राथमिक कक्षा में शिक्षिका, अपने विद्यार्थियों को एकदूसरे के गुणों के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, ताकि वे नए विशेषण शब्द सीख सकें। सभी बच्चों को स्वागत और जुड़ाव महसूस करवाने के लिए, वह विभिन्न भाषाओं का उपयोग करती हैं। **विद्यार्थी:** नमस्ते, नमस्ते! **शिक्षिका:** नमस्ते! **विद्यार्थी:** अस्सलाम वालेकुम! **शिक्षिका:** वालेकुम अस्सलाम! **विद्यार्थी:** प्रणाम... **शिक्षिका:** प्रणाम! बैठ जाइए। **विद्यार्थी:** Thank you, madam. कमेंट्री: पिछले पाठ में कक्षा ने उन गुणों के बारे में एक कविता पढ़ी थी, जिन्हें हम प्रकृति से सीख सकते हैं। शिक्षिका उस कविता की समीक्षा से कक्षा की शुरूआत करती हैं। **शिक्षिका:** पहले तो आप प्रकृति की खूबियाँ बताइये। **विद्यार्थी १:** हम बताएँ? **शिक्षिका:** और कोई बताएगा? और भी कुछ है प्रकृति में? **विद्यार्थी २:** Yes, ma’am, सुन्दर। **शिक्षिका:** किससे?

विद्यार्थी २: फूल से।

शिक्षिका: एक और सीख भी मिलती है?

विद्यार्थी: खुशबू।

शिक्षिका: खुशबू और मुस्कुराने की। ठीक।

और भी कुछ है प्रकृति में? जिससे...

विद्यार्थी ३: Yes, ma'am...

शिक्षिका: हाँ बताओ, बताओ बेटा।

विद्यार्थी ३: Ma'am, सागर से, ma'am, हमें गहराई की सीख मिलती है।

शिक्षिका: सागर से?

विद्यार्थी ३: गहराई की सीख मिलती है।

शिक्षिका: सागर को और भी कुछ कहते हैं?

विद्यार्थी ३: Ma'am, समुंद्र।

शिक्षिका: हमने बात कर ली है, प्रकृति पर। वैसे ही, क्या इन्सानों में भी खूबियाँ होती हैं?

विद्यार्थी: Yes, ma'am...

शिक्षिका: इन्सानों में कौन-कौन सी खूबियाँ होती हैं?

विद्यार्थी ४: Ma'am, ईमानदारी की खूबियाँ होती हैं।

शिक्षिका: हाँ, ईमानदारी की...

विद्यार्थी ४: और ma'am, सच्चाई की।

शिक्षिका: हाँ, और दूसरी खूबी कोई और बताएगा?

विद्यार्थी: Yes, ma'am...

शिक्षिका: शाब्बास! शाब्बास!

कल हमने देखा था, रोशनी जो है, पहले डर रही थी; डर रही थी?

विद्यार्थी: Yes, ma'am...

शिक्षिका: बाद में, उसने फिर हिम्मत करके... बोला।

फिर कैसी लड़की हुई ये?

विद्यार्थी: हिम्मतवाली...

शिक्षिका: हिम्मतवाली। इसका गुण है? इसका गुण है, हिम्मती।

विद्यार्थी १: Ma'am, जैसे हमारे घर कोई मेहमान आता है, उसको ma'am, ma'am, बढ़िया-बढ़िया पकवान भी बना कर खिलाते हैं, ma'am.

शिक्षिका: उसके लिए एक शब्द कौनसा प्रयोग करेंगे?

हिन्दी में क्या कहते हैं? अतिथिसत्कार।

विद्यार्थी १: अतिथिसत्कार।

शिक्षिका: और उर्दू में कहते हैं? मेहमाननवाज़ी।

विद्यार्थी १: मेहमाननवाज़ी। और English में?

शिक्षिका: ये भी एक गुण है।

विद्यार्थी १: Ma'am, English में?

शिक्षिका: English में? English में, मेहमाननवाज़ी को कहते हैं, hospitality.

विद्यार्थी १: Hospitality.

कमेंट्री:

फिर शिक्षिका, एक समूह गतिविधि की शुरूआत करती हैं, जो सारे विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती है। एकदूसरे के अच्छे गुणों पर चर्चा करके विद्यार्थी विशेषणों का अभ्यास करते हैं।

शिक्षिका: अब हम लोग एक काम करेंगे। सब लोग मिल के, चार-चार का group बनाएँगे, बच्चे। जो

तुम्हारा group बना है, समूह बना है, अपने समूह में बातचीत करके सहमति बनानी है, कि आपके हर साथी में कौनसी खूबी है। सबको अपने बारे में तीन-तीन अच्छी बातें सुनने को मिलेंगी। ठीक है? अब क्या होगा उसके बाद?

हर साथी की बताई गई - तीन में से एक खूबी पर, उदाहरण देते हुए, सहमति बनानी है। अब बात करो आपस में। अपनी अपनी खूबियों पर बात करो।

विद्यार्थी २: तुम इनकी खूबी बता, अब तुम इनकी खूबी बता, और हम तुम्हरी तीनों की खूबी...।

विद्यार्थी ५: तुम्हारी खूबी का है?

शिक्षिका: तुम इनके बारे में बताओ। तुम्हें ये कैसी लगती है?

विद्यार्थी ५: Ma'am, अच्छी।

शिक्षिका: शांत रहती है? चुप रहती है, हाँ? ये भी एक खूबी हो सकती है।

विद्यार्थी ६: गहराई है अपने मन माँ, हम पढ़ना सोचत रही हैं, यह गहराई है अपने मन माँ, और तुम बताओ। और तुम बताओ।

कमेंट्री:

शांत विद्यार्थियों में से भी, कुछ, अपने विचार व्यक्त करना शुरू कर रहे हैं।

विद्यार्थी ७: एक बोलने की खूबी, है ना? एक सच्चाई की खूबी।

विद्यार्थी ८: बस।

विद्यार्थी ७: अब शालिनी, तुम बताओ?

विद्यार्थी ८: मैं बर्तन माँझती हूँ...

विद्यार्थी २: ये बर्तन माँझती है, अब तुम का...

विद्यार्थी ४: देखो, तुम सच्चाई, तुम्हारे मन माँ गहराई है। तुम्हारे मन माँ सच्चाई है। तुम्हारे मन माँ अच्छाई है।

विद्यार्थी ९: और?

विद्यार्थी ४: अब तुम बताओ।

विद्यार्थी १: तुम्हरे मन माँ चतुराई है...

विद्यार्थी ९: हाँ, चतुर...

विद्यार्थी १: तुम्हरे मन माँ... रुको तो, तुम्हरे मन माँ होशियारी है।

विद्यार्थी ९: हाँ...

कमेंट्री:

विद्यार्थी कागज की प्लेटों पर, अपने गुणों के बारे में लिखकर और चित्र बनाकर, उन्हें प्रदर्शित करते हैं।

शिक्षिका: अपना नाम लिखिए, और ये सबके लिए gift है।

कोई बहादुर होगा, बहादुरी का चित्र बना दो। सब चित्र बनाइए।

कमेंट्री:

इस गतिविधि को आगे बढाने का दूसरा तरीका - Wall Bank बनाना, या गुणों के आधार पर कहानी बनाना - हो सकता है। सभी विद्यार्थी अपने विचार और राय व्यक्त कर सकें, इसके लिए, अन्य कौन-कौन से अवसर आप बना सकते हैं?